

that in other respects the Rules of Procedure of this House relating to Parliamentary Committees shall apply with such variations and modifications as the Speaker may make ; and

that the House recommends to Rajya Sabha that Rajya Sabha do join the said joint Committee and communicate to this House the names of 7 members nominated to the Joint Committee by the Chairman of the Rajya Sabha.

MR. SPEAKER : The question is :

"That the question of amendments to election law in the context of the debates in the Lok Sabha in the course of supplementaries to Starred Question No. 580 answered on the 25th August, 1970 be referred to a Joint Committee of the Houses for examination and report with instructions to report by the last day of the first week of the next session ;

that the Committee shall consist of 21 members, 14 from this House to be nominated by the Speaker and 7 from the Rajya Sabha to be nominated by the Chairman, Rajya Sabha ;

that the Speaker, if he agrees to be a member of the Committee, shall be the Chairman of the Committee ; otherwise, the Speaker may nominate one of the members of the Committee to be its Chairman ;

that in order to constitute a sitting of the Joint Committee, the quorum shall be one-third of the total number of members of the Joint Committee ;

that in other respects the Rules of Procedure of this House relating to Parliamentary Committees shall apply with such variations and modifications as the Speaker may make ; and

that the House recommends to Rajya Sabha that Rajya Sabha do join the said Joint Committee and communicate to this House the names of 7 members nominated to the Joint Committee by the Chairman of the Rajya Sabha.

The motion was adopted.

12.57 hrs.

RE: DISMISSAL OF A LECTURER
OF SALWAN COLLEGE, DELHI

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय, दो तीन रोज पहले शिक्षा मंत्री ने श्री जावेद आलम के बारे में एक वक्तव्य यहां पर दिया था। उस समय भी हम लोगों ने मांग की थी कि इस पर बहस करने का सदन को मौका दिया जाय क्योंकि इस सवाल के साथ तीन प्रश्न जुड़े हुए हैं। एक प्रश्न है नागरिकों के अधिकारों का, नागरिकों की स्वतंत्रता का। क्या हमारे संविधान के अनुसार आंतर-धर्मी विवाहों पर कोई रोक है ? क्यों कि फिर तो हमारे पीलू साहब के ऊपर भी आपत्ति आ सकती है, नाथपाई जी के ऊपर भी आ सकती है...ध्यवधान...अगर मामला आगे बढ़ा तो कहां तक जायगा ? तो एक तो सवाल आन्तर धर्मी विवाहों का और नागरिकों के अधिकारों का है। दूसरा सवाल है कि जिस शिक्षण संस्था को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के द्वारा केन्द्रीय सरकार की ओर से 95 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है क्या उस शिक्षण संस्था को सम्प्रदायिकता के आधार पर किसी भी अध्यापक को निकालने का अधिकार दिया जा सकता है ? और तीसरा सवाल है कि क्या इस राजधानी में आज साम्प्रदायिकता की आग भड़काने की इजाजत किसी भी व्यक्ति को दे सकते हैं आज शहर में सब जगह पोस्टर लगे हुए हैं एक भयानक किस्म के पोस्टर हैं। आज मैं अटल बिहारी जी से भी पूछता —इस पोस्टर में लिखा है—जावेद आलम की बेशर्मी की हद। अपनी बदचलनी पर परदा डालने के लिए फिरकापरस्ती की आड़। हिन्दू लड़की से शादी या उस का अपहरण। जयन्ती कहां है ? दिल्ली की जनता का जावेद आलम तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से सवाल। इस बात को लेकर आज 24 नवम्बर को यहां पर एक आम जलसा हो रहा है।

मुझे पता नहीं कि क्या सचमुच हमारे

[श्री मधु लिमये]

इस सदन के माननीय सदस्य श्री बलराज मधोक बादि लोग इस जलसे में शिरकत करने जा रहे हैं। मैंने जो जानकारी हासिल की है उस के अनुसार जावेद आलम की शादी बाकायदा रजिस्ट्री का जो कानून है उस के अनुसार हुई है। इस तरह की शादियां हमारे देश में होती हैं और मैं उन सभी लोगों को बधाई देता हूँ जो लोग कि भ्राज धर्म जाति के बन्धनों को तोड़ रहे हैं। यह इलस्ट्रेटेड वीकली का प्रंक मेरे पास है।... व्यवधान... मैंने भी अन्तरजातीय किया है। अब दूसरी शादी तो नहीं कर सकता अन्तर-धर्मों।

एक माननीय सदस्य : नाथपाई ने अन्तर-राष्ट्रीय किया है।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, यह इलस्ट्रेटेड वीकली का प्रंक है। इसमें कहा गया था कि क्या किसी मुसलमान लड़की की भ्राज हिम्मत है जो यह कहे कि मैंने शादी की है? तो उसने अपनी तस्वीर भी भेजी है। एक मुसलमान लड़की ने हिन्दू युवक से शादी की है। मैं भ्राज इस सदन के मार्फत सरकार से अपील करना चाहता हूँ कि जावेद आलम के बारे में भ्राज लोग क्या करने वाले हैं? इस के बारे में जांच होनी चाहिये? लड़कियों के अपहरण का मामला है तो क्या सरकार इस सदन में सफाई नहीं दे सकती है? दिल्ली में रजिस्ट्रार का आफिस है। भ्राज पता लगा सकते हैं कि वास्तव में शादी हुई है या अपहरण हुआ है? इस तरह साम्प्रदायिकता की धाम भड़काने का प्रवास इस शहर में नहीं होना चाहिए। हमारी प्रचान् मंत्री एक नकली लड़ाई हमेशा साम्प्रदायिकता के खिलाफ चलाती है। लेकिन जब कोई ठोस काम करने की बात आती है तो कदम पीछे हट जाता है। इस लिए, अध्यक्ष महोदय, मैं भ्राज अटल बिहारी जी, डा० राम सुभय सिंह, बूकरे बड़े बड़े नेता और प्रोफेसर साहब से भ्राज कर्कशा

कि क्या साम्प्रदायिकता को भड़काने का जो प्रयास चल रहा है, उससे वह अपना रिश्ता तोड़ देंगे और कहेंगे कि यह सब जो चलाया जा रहा है उससे उनका कोई मतलब नहीं है और जावेद आलम के बारे में कालिज की गर्वनिग बाडी ने जो फैसला किया है कि उनको निकाला जायगा, नागरिकों को घमकाया जा रहा है, जिन छात्रों ने अपना विरोध प्रकट किया है उनको भी घमकाया जा रहा है, उन के ऊपर अनुशासनहीनता का आरोप लगाया जा रहा है—इन सब के बारे में मैं चाहता हूँ कि सदन को चर्चा करने का मौका दिया जाय।

13 hrs.

श्री बलराज मधोक (दक्षिण बिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, यह मामला मेरी कांस्टीचूएन्सी का है, इस पर मुझे कुछ कहने का अवसर दीजिये। अध्यक्ष महोदय, यह जो कहा गया है कि साम्प्रदायिकता बढ़ाई जा रही है, वास्तव में साम्प्रदायिकता बढ़ाने का काम हमारे मधु लिमये जी करेंगे, इसकी मुझे उनसे अपेक्षा नहीं थी.....

श्री मधु लिमये : मैंने ऐसा क्या कहा है?

श्री बलराज मधोक : अगर साल्वान कालिज वाले साम्प्रदायिकता भड़काते हैं तो उनको किसने मजबूर किया था कि जावेद आलम को रखा जाय। वास्तविकता यह है कि इस कालिज के पास बहुत से लोगों की पोलिटिकल सायंस की लैक्चरार शिप के लिये एन्लीकेशनज आई थीं। इधर कुछ दिनों से दिल्ली यूनीवर्सिटी में कुछ कम्प्यूनलिस्ट्स और कुछ कम्प्यूनिस्ट्स इकट्ठे हुए हैं, पहले उन्होंने इस कालिज पर एक कम्प्यूनिस्ट को लादने की कोशिश की प्रिन्सिपल के रूप में, जिसकी यूनीवर्सिटी द्वारा प्रेस्क्रीड मिनिमम

क्वालीफिकेशनज भी नहीं थीं, उस के लिए वाइस-चांसलर ने दबाव डाला, लेकिन वहाँ की गवर्निंग बाडी ने एक स्टैंड लिया और उस प्रिन्सिपल को इम्पोज नहीं किया जा सका।...

MR. SPEAKER : You must be relevant to the question under discussion; It is about this marriage. I am not allowing any debate on this.

श्री बलराज मधोक : अध्यक्ष महोदय, मैं फँट्स को रख रहा हूँ, आप इसको सुनिये। ये लोग फँट्स से भागते हैं और दिल्ली के अमन को आग लगाना चाहते हैं। मैं चेतावनी देना चाहता हूँ कि जो लोग दिल्ली के अमन को आग लगाना चाहेंगे, हम उसे बरदाश्त नहीं करेंगे। ये कांग्रेस वाले, कम्यूनिस्ट वाले, मुस्लिम लीग वाले इस दिल्ली के अन्दर, चूँकि अभी यहाँ दंगा नहीं हुआ है, ये यहाँ दंगा कराने की कोशिश कर रहे हैं, यह इनकी चाल है। ... (अध्यक्षान) ... इन्होंने क्या किया ? मेरा हूँद आफ दी डिपार्टमेंट पर चार्ज है, शिक्षा मंत्री एन्कवारी करें, वहाँ बहुत से लोग गये, जिन में बँटर क्वालीफाइड लोग भी थे। उन्होंने कहा कि हम ने वहाँ मुसलमान को लाना है, तुम वहाँ मत जाओ, क्योंकि बँटर क्वालीफाइड जाते तो उनको ले लिया जाता। उन को कहा गया कि हम तुम को वहाँ नहीं लेंगे। उस के बावजूद भी इन को रखा गया, अगर सल्वान कालिज वाले कम्यूनल होते तो उन को क्यों रखते.....

SHRI VASUDEVAN NAIR (Peer-made) : What is this ? Are you allowing a general discussion on this subject ?

श्री बलराज मधोक : मैं उसी बात पर धम रहा हूँ, आप मेरी बात सुनिये। शादी वह किस से करता है, हमें उस से कोई वास्ता नहीं है, लेकिन मेरा वास्ता इस आदमी से है। इस आदमी ने वहाँ मिस-बिहेव किया, मेरे पास चिट्ठियाँ हैं, लैक्चरार्ज की शिकायतें हैं। उस कालिज में लड़कियाँ भी पढ़ती हैं, इस तरह

के बदचलन आदमी को बरदाश्त नहीं किया जा सकता। आप ने तो उन को पीलीगंभी को इजाजत दे रखी है... अध्यक्षान... यह एक बुनयादी सवाल है। मैं प्रधान मंत्री जी से भी कहूँगा वह एक महिला है, बेटे-बेटियोंवाली है, पीतोंवाली है, इस प्रकार के हालत वहाँ पैदा न होने दें। जब जामा मिलिया का सवाल आया तो कम्यूनल आघार पर बहुत से लड़कों का कैरियर खराब कर दिया गया। मैंने शिक्षा मंत्री से कहा तो वह कहने लगे कि तुम कहते तो सच हो लेकिन उस पर हमारे राष्ट्रपति जी और श्रीमती इन्दिरा गांधी जी का हाथ है। जब जामा मिलिया का सवाल आता है तो इनको सांप सूँघ जाता है, जब अलीगढ़ का सवाल आता है तो इनको सांप सूँघ जाता है, तब इन को साम्प्रदायिकता याद नहीं आती। आज दिल्ली के अमन को खराब करने के लिए इस प्रकार की बातों की जाती हैं। मैं तथ्यों के आघार पर इन की बातों का खण्डन करना चाहता हूँ। गवर्निंग बाडी ने जो फैसला लिया है, अगर उस फैसले के खिलाफ गवर्नमेंट कोई इन्टरफीयरेंस करती है, उसको रोकती है, तो पहले जामा मिलिया के खिलाफ इन्कवायरी बँटे। अगर दिल्ली के अमन को आग लगाने की कोशिश करेंगे तो हम उस को बरदाश्त नहीं करेंगे। मैं यह बानिग देना चाहता हूँ। इन्होंने गलत तथ्य पेश किये हैं, इन तथ्यों के बारे में जनता अपना दिमाग साफ कर ले।

श्री हरदयाल देवगुण : (पूर्व दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय.....

MR. SPEAKER : Will you please sit down ? I have not allowed it. You are speaking without my permission. You are forcing me.

श्री हरदयाल देवगुण : अध्यक्ष महोदय, मैं तथ्यों के आघार पर इनकी बात का खण्डन करना चाहता हूँ। गवर्निंग बाडी ने जो फैसला

[श्री हरदयाल देवगुण]

लिया है मैं उस के तथ्य आप के सामने रखना चाहता हूँ। गर्वनिग बाडी ने या किसी ने भी इस आघार पर कोई फैसला नहीं किया है कि उस ने किस से शादी की है। मैं खुद भी उस गर्वनिग बाडी का मेम्बर हूँ, मुझे वहाँ के तमाम फैक्ट्स मालूम हैं। यहाँ जितने तथ्य दिये गये हैं, वे गलत हैं, उस को इस-लिये निकाला गया कि उस के खिलाफ कई इल्जाम थे, लेकिन चूँकि वह मुसलमान है और उस ने एक हिन्दू लड़की से शादी की है, इस बात को लेकर ये लोग उस को यहाँ ठूसना चाहते हैं। व्यवधान..... यह कहना गलत है कि उसको इस आघार पर निकाला गया है, और सही है तो कहां है वह रेजोल्यूशन जिस की बिना पर उस को निकाला गया है। ये बिलकुल झूठ बोल रहे हैं। वह रेजोल्यूशन कहां है, दिखलाइये ?

श्री रणधीर सिंह (रोहतक) : इस मामले को कम्प्यूनल रंग नहीं दिया जाना चाहिये।
This is not proper

श्री हरदयाल देवगुण : ये लोग यहाँ पर गलत फैक्ट्स दे रहे हैं।

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR, V. K. R. V. RAO) : Mr. chairman, Sir,...

AN HON. MEMBER : Mr. Speaker.

DR. V. K. R. V. RAO : I am very sorry. It shows how much has been the excitement.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (बलरामपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ। श्री मधु लिमये को आपने किस नियम के अन्तर्गत इजाजत दी है ?.....

श्री मधु लिमये : आप भी उठाते हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या आप इस पर चर्चा का मौका देंगे ?

MR. SPEAKER : I have allowed him under rule 377.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : श्री मधु लिमये ने मेरा नाम भी लिया है, तो क्या आप मुझे भी बोलने का मौका देंगे ?

अध्यक्ष महोदय : नहीं।

I have already listened to Shri Madhok. I am not allowing any debate on that.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इस का मतलब है आप चर्चा कराना भी चाहते हैं, और नहीं कराना भी चाहते हैं।...

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : अगर ये बोलेंगे तो हम को भी मौका दीजिये, यह हमारी दिल्ली का सवाल है...

श्री हरदयाल देवगुण : उन्होंने गलत बातें कहीं हैं लेकिन हम ने उन को बड़ी शान्ति से सुना, अब उन को खण्डन करने के लिए हम को भी मौका दीजिये।

श्री कंवर लाल गुप्त : अगर ये गलत बात कहेंगे तो हम भी उस का जबाब देंगे।

एक माननीय सदस्य : सभा-पटल पर ऐसा बयान नहीं होना चाहिये, सब को सुन कर बयान होना चाहिये।

श्री बलराज मधोक : अलीगढ़ में इतना बड़ा मामला हो जाता है, लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं, उस के बारे में स्टेटमेंट देने की इन की हिम्मत नहीं होती है, इस मामले पर रोज स्टेटमेंट देने के लिए शिक्षामंत्री चले आते हैं, मैं जानना चाहता हूँ कि कौन सा आस-मान टूट पड़ा है। इस तरह से ये एन्टी सोशल एलीमेंट्स को सपोर्ट करते हैं।

I want to stop such things. They want to create unrest in Delhi and riots in Delhi. It is my charge. They are wanting to have riots in Delhi. We will not tolerate it.

श्री हरदयाल देवगुण : वहाँ की लेडी टीचर की मां ने लिखकर दिया है कि यह आदमी बदचलन है.....

करे हमें कोई एतराज नहीं है, हिन्दू से करे, मुसलमान से करे.....

श्री बलराज मधोक : इस पर बहस होनी चाहिए।

MR. SPEAKER : I must listen to the Minister. I cannot listen to the Members now before I listen to the Minister.

श्री कंवर लाल गुप्त : ऐसा किस तरह से होगा। हम उन को नहीं सुनना चाहते हैं।

MR. SPEAKER : Why don't you let him make the position clear ? (*Interruptions*). If the hon. members go on interrupting like this I will adjourn the House for lunch. The minister may lay it on the Table. (*Interruptions*).

DR. V. K. R. V. RAO : It is not a statement. (*Interruptions*).

श्री हरदयाल देवगुण : गवर्निंग बाडी में दिल्ली हाईकोर्ट का एक जज है जिन्होंने फैसला किया है ... व्यवधान...

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : दो दिन पहले शिक्षा मंत्री ने इस मामले पर वक्तव्य दिया था। आप अग्रर चाहते हैं ... व्यवधान...

श्री कंवर लाल गुप्त : आप आखिर रोजाना क्या वक्तव्य देना चाहते हैं ? ... व्यवधान...

MR. SPEAKER : Why don't you allow him to make the statement ? Do you think by shouting, you can stifle the debate ? I am not going to allow that. If you go on interrupting I will ask the Minister to lay it on the Table, and adjourn the House till quarter past two. (*Interruptions*).

13. 3 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till fifteen minutes past Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at eighteen minutes past Fourteen of the Clock.

[Sbri Sbri Chand Goyal in the Chair.]

श्री हरदयाल देवगुण : आप ने गवर्निंग बाडी को कहां डाइरेक्शन दी है, कौन से कानून में डाइरेक्शन दी है कि वह टेम्परेरी लैक्चरार को हटा नहीं सकती आप खुद कम्प्यूनलिज्म पैदा करना चाहते हैं, यहाँ पर बदश्रमनी पैदा करना चाहते हैं। पार्लियामेन्ट के फोरम का इस के लिये इस्तेमाल हो रहा है। वह चाहे किसी से शादी करें, मुझे कोई एतराज नहीं है.....

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर) : तब फिर इन को क्यों परेशानी हो रही है ?

श्री कंवर लाल गुप्त : वह किसी से शादी

RE: DISMISSAL OF A LECTURER OF
SALWAN COLLEGE, DELHI—Contd.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : Sir. I want to raise a point of order.

श्री श्री वी० के० आर० वी० राव जो बयान देने जा रहे हैं उस के सम्बन्ध में कहना चाहता हूँ कि हमारा इस शादी पर कोई ऐतराज नहीं है।

MR. CHAIRMAN : The Speaker concluded that matter by asking the Minister to lay it on the Table.

श्री कंवर लाल गुप्त : अभी वह कन्क्लूड नहीं हुआ है।

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : Where is the statement ?

SHRI KANWAR LAL GUPTA : He has not laid it.

MR. CHAIRMAN : That must have been circulated.

श्री कंवर लाल गुप्त : मेरा कहना यह है कि किस के साथ किस की शादी होती है इस पर मुझे कोई ऐतराज नहीं है.....

MR. CHAIRMAN : You are repeating what took place before lunch.

श्री कंवर लाल गुप्त : न हमारी पार्टी को कोई ऐतराज है। लेकिन जिस बात पर ऐतराज है उस के कई कारण हैं। एक तो यह कि यह सवाल बार बार यहाँ नहीं आना चाहिये।

MR. CHAIRMAN : This question is not to be taken up now, Enough has already taken place before Lunch.

श्री कंवर लाल गुप्त : हम ने कहा था कि हम दो बजे के बाद उठायेंगे। मैं भी एक गवर्निंग बाडी का चेयरमैन हूँ.....

MR. CHAIRMAN : You had made your submission before.

श्री कंवर लाल गुप्त : आप मुझे एक मिनट दे दीजिये, मैं अपनी बात उसमें खत्म कर दूंगा। मेरा दूसरा ऐतराज यह है कि यह जो ऐलिंगेशन लगाये जाते हैं कि मेरी पार्टी...

श्री मधु लिमये : ऐलिंगेशन कहां है ?

श्री कंवर लाल गुप्त : आप मेरे बाप बोल लीजियेगा।

श्री मधु लिमये : हम आप की बात सुनना चाहते हैं, श्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी सुनना चाहते हैं। लेकिन बयान कहां है ? इसमें सीक्रेसी की क्या बात है ? पहले बयान आने दिया जाये और हमें उसकी नकल दी जाये।

सभापति महोदय : मुझे पता लगा है कि वास्तव में अभी तक कोई स्टेटमेंट टेबल पर नहीं रक्खा गया है।

श्री मधु लिमये : तब फिर हम किस चीज पर बहस कर रहे हैं। मैं सरकार से खुलासा चाहता हूँ।

सभापति महोदय : मैं इसकी अनुमति नहीं दे रहा हूँ।

श्री मधु लिमये : मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मैं इस मामले में श्री गुप्त को नहीं सुनना चाहता हूँ, लेकिन पहले सरकार को सुनना चाहता हूँ।

श्री कंवर लाल गुप्त : अगर कोई इस तरह की शादी के खिलाफ है तो यह उसकी व्यक्तिगत राय हो सकती है। लेकिन यह तो गवर्निंग बाडी की बात है। यह हमारी पार्टी का सवाल नहीं है। यह बार-बार कैसे...

श्री हरदयाल देवगुण : बयान एक पक्ष...
(व्यवधान)

सभापति महोदय : आर्डर-आर्डर। अब इस को खत्म कीजिये।

श्री हरदयाल देवगुण : उन्होंने एक पक्षीय वर्शन दिया है। यह गलत चीज है अगर आप उस को देने की इजाजत देते हैं (व्यवधान) में गवर्निंग बाडी का मेम्बर हूँ (व्यवधान) यह इस को साम्प्रदायिक प्रश्न बनाना चाहते हैं। यह बात बिल्कुल अनुचित है। इसकी इजाजत नहीं देनी चाहिए।

MR. CHAIRMAN : Please resume your seat. Mr. Bal Raj Madhok and Mr. Kanwar Lal Gupta have already made the point clear. This was raised before lunch That is over now. (Interruptions)

14.22 hrs.

SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ORDERS (AMENDMENT) BILL.—Contd.

श्री श्रीमत्प्रकाश श्यामी (मुरादाबाद) : सभापति महोदय, इस समय जो बिल आया है उस के सम्बन्ध में मैं सरकार को धन्यवाद देता हूँ कि संविधान में जो कमी थी और जो अन्याय हो रहा था अनुसूचित जातियों और आदिवासियों के साथ उस का उस ने मार्जन किया। मैं इस सेलेक्ट कमेटी को भी धन्यवाद देता हूँ जिसने सर्वसम्मति से इस बिल के सम्बन्ध में रिपोर्ट हमारे सामने उपस्थित की। आप प्राश्चर्य करेंगे कि सभी पार्टियों के प्रतिनिधि उस में थे और सभी ने सर्वसम्मति से उसकी रिपोर्ट को पास किया। लेकिन आज इस हाउस में एक अजीब वातावरण उत्पन्न करने की चेष्टा की जा रही है। मुझे तो सब से अधिक प्राश्चर्य सरकार पर आता है जो इस सेलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट को संबोटेज करने की कोशिश कर रही है।

आज मैं बतला देना चाहता हूँ कि आज उस के, पाप का पता चलने वाला नहीं है, केवल उसका पता चलेगा। जैसा मैं ने मेघालय बनाने के समय सरकार से कहा था कि आप यह एक पाप पैदा कर रहे हैं। इस देश में आप एक भाग जला रहे हैं, और उस भाग की

ज्वाला आज सामने आनी शुरू हो गई है। इस बिल का उद्देश्य वास्तव में उन लोगों को संरक्षण देना था जो इस देश में आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से पिछड़े हुए हैं। उन लोगों की सरकार सहायता करना चाहती थी। इससे स्पष्ट प्रकट है कि केवल आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े हुये लोगों की सहायता का सवाल नहीं उठाया गया। अगर आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े हुए लोगों का सवाल होता तो देश में आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़ेपन के नीचे ब्राह्मण, क्षत्री वैश्य आदि भी दखे हुए हैं। सभी जगहों पर आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोग हैं, यह किसी से छिपी हुई बात नहीं है।

एक विशेष वर्ग इस देश में ऐसा था जो एक दो साल से नहीं शताब्दियों से आर्थिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से पिछड़ा हुआ था। इसलिए उस वर्ग की विशेष सहायता करने के लिए हमने विधान में प्रावधान किया था। उसमें केवल अनुसूचित जातियों का समावेश किया गया लेकिन उसमें आदिवासियों को जोड़ दिया गया। उस में यह था कि कोई भी हरिजन अथवा कोई भी अनुसूचित जाति का आदमी यदि धर्म परिवर्तन करे तो उसे सरकारी सहायता नहीं मिलेगी। लेकिन यह नियम आदिवासियों पर लागू नहीं होता था, हरिजनों पर ही लागू होता था। अनुसूचित जाति वालों को हरिजनों को इस प्रकार जो लाभ मिलना था वह मिला, जो सहायता मिलनी थी वह मिली और पूरी उन्हीं को मिली सीधे तरीके से मिली। लेकिन आदिवासियों पर यह शर्त लागू नहीं की गई। इसकी एक बहुत बड़ी हानि यह हुई कि आदिवासियों को जो सरकारी सहायता दी जाती थी, वह सहायता उन आदिवासियों को नहीं मिली जो गरीब थे, उन तक वह नहीं पहुंची लेकिन जो उन्नत लोग थे, जो धर्म परिवर्तन कर चुके वह उनको प्राप्त हो गई थी तथा और भी तरीकों से जो आगे बढ़ गये थे, उन्होंने उस तमाम सहायता का उपयोग किया।